आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के गले की फांस बना घटिया पोषाहार

बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी पोषाहार से कन्नी काट रहे हैं

मांडलगढ़ के बीगोद आंगनबाड़ी केंद्र पर घटिया पोषाहार पहुंचने की शिकायत करती कार्यकर्ता।

■ मूंग दाल के पैकेट में मूंग कम चावल अधिक आ रहे हैं, वही गेहूं के पैकेट में गेहूं है या दलिया, यह भी समझ से परे है, मीठा दलिया कड़वाहट दे रहा है

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र के आंगनबाडी केंद्रों पर बच्चों व गर्भवती महिलाओं की सेहत सुधारने के लिए दिए जाने वाले पोषाहार की गुणवत्ता पर कई सवाल उठ रहे हैं। संवेदक द्वारा आपूर्ति किये जा रहे पोषाहार की क्वालिटी घटिया होने का मामला सामने आया है। सरकारी स्तर पर पोषाहार संवेदक द्वारा प्लास्टिक की थैलियों में पैकिंग पोषाहार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की गले की फांस बना हुआ है।

भीलवाड़ा में मांडलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के बीगोद कस्बे की 26 सेक्टर की आंगनबाडी केंद्रों की कार्यकर्ताओं ने घटिया पोषाहार सप्लाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायत की लेकिन पोषाहार गुणवत्ता में अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है। हालांकि कोरोना काल से ही राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति होने वाले 0 से 5 वर्ष तक के बालक बालिकाओं और गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार के लिए पोषाहार में बदलाव किए लेकिन मौजूदा पोषाहार की गुणवत्ता पैकिंग की थैलियों पर अंकित मापदंड पर ठीक नहीं है। थैलियों में पैकिंग बच्चों को दाल और दलिया रास नहीं आ रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि केंद्रों पर जो नया पोषाहार पैकेट सप्लाई किया जा रहा है वो घटिया किस्म का है ओर पैकिंग तिथि के कई माह बाद केंद्रों पर पहुंचाया जाता है। बच्चों को मीठा दलिया पकाकर देने पर भी खाने से मुंह चिढाते हैं। मूंग दाल के पैकेट में मूंग कम चावल अधिक आ रहे है। वही गेंहू के पैकेट में गेंहू है या दलिया, यह भी समझ से परे है। मीठा दलिया कड़वाहट दे रहा है। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने बताया कि सभी केंद्रों पर घटिया पोषाहर सप्लाई हो रहा है। जिसकी शिकायत विभाग अफसरों को की जाती है तो खराब पोषाहार वितरण नहीं करने की बात कही जाती है। वहीं लाभार्थी पोषाहार लेने में आनाकानी करते है। ऐसे में पोषाहर वितरण की समस्या बनी हुई है।

इस मामले में मांडलगढ़ सीडीपीओ पुष्पा देवी का कहना है कि संवेदक द्वारा आपूर्ति होने वाले पैकिंग पोषाहार में खराब पोषाहार निकलता हैं तो कार्यकर्ताओं को पाबंद कर रखा है कि वितरण नहीं करें। खराब पोषाहार को संवेदक को वापस लौटाने की कार्रवाई की जाती है।

फुलेरा जंक्शन पर बन्द हुई ट्रेनों का ठहराव हो तो यात्रियों को मिले लाभ

कोरोना काल 22 मार्च 2020 से कई ट्रेनों का ठहराव बंद है

फुलेरा जंक्शन पर लगा इण्डिकेशन का फोटो।

फुलेरा, (निसं)। रेल प्रशासन के द्वारा कोरोना काल के दौरान 22 मार्च 2020 से फुलेरा जंक्शन से गुजरने वाली ट्रेनें जिनमें जोधपुर-बीकानेर-बिलासपुर, अजमेर-अमृतसर, राजकोट-दिल्ली सराय रोहिला, लखनऊ-अहमदाबाद, दिल्ली सराय रोहिला-उदयपुर सिटी, चेतक एक्सप्रेस (एक तरफा), पुरी-जोधपुर, महामना एक्सप्रेस, इन्दौर-बीकानेर एक्सप्रेस आदि महत्वपूर्ण ट्रेनें सहित लगभग 14 जोड़ी ट्रेन के ठहराव को बन्द कर दिया गया था। इनमें से कुछ गाड़ियां लम्बे रूट की है। साथ ही फुलेरा जंक्शन (ए क्लास) रेलवे स्टेशन होने के नाते दैनिक एवं आमयात्री यहां से उक्त ट्रेनों की सुविधाऐं सूचारू रूप से ले रहे थे। परन्तु जंक्शन पर उक्त ट्रेनों का ठहराव बन्द कर देने के कारण यह सुविधा बन्द हो गयी है।

सभी क्षेत्र में सब कुछ सामान्य हो गया है, साथ ही प्रशासन द्वारा लगभग सभी ट्रेनें पिछले कई महीनों से पुनः चला दी गई है। जबकि उक्त ट्रेनों के ठहराव को पुनः चालु नहीं किया गया है। जिसके चलते हजारों दैनिक रेल यात्रीयों व आम यात्रियों, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, मजदूर वर्ग सहित अन्य को उपरोक्त ट्रेनों में सुविधा हेतु जयपुर अथवा अजमेर जाना पड़ता है। जिसके चलते उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार उपरोक्त ट्रेनों के ठहराव को पुनः चालु करवाने के लिए दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासदेव द्वारा समय-समय पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत को मौखिक एवं ज्ञापन के माध्यम से कई बार मांग की गई है। इसी क्रम में समाजसेवी एवं शिक्षाविद् भंवर लाल कुमावत, शक्ति सिंह के द्वारा भी वरिष्ठ नागरिकों के पक्ष में इनके ठहराव को पुनः चालू करवाने की गुहार लगाई गई है। इसी को लेकर कुछ दिनों पूर्व फुलेरा जंक्शन के निकटवर्ती आसलपुर जोबनेर रेलवे स्टेशन के बाहर सद्बुद्धि यज्ञ भी सम्पन्न करवाया गया था।

पर्यटकों को वर्षपर्यंत आकर्षित करने के लिए शुरू होगा नाइट ट्यूरिज्म

प्रशासन ने की कवायद शुरू

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में वर्षपर्यंत सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए अब यहां पर नाइट ट्यूरिज्म शुरू होगा। इसके लिए फूड बाजार के अलावा ट्यूरिज्म को लेकर रात्रिकालीन गतिविधियां शुरू करने की भी योजना बनाई जा रही है। आगामी दिनों में यहां आयोजित होने वाला शेरपा एवं जी-20 सम्मलेन को मद्देनजर भी यह कवायद तेजी से की जा रही है।

यह सर्व विदित है की पर्यटन के क्षेत्र में उदयपुर अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपने एक अलग पहचान बन चुका है। आने वाले समय में जी- 20 की बैठक भी होनी है। ऐसे में उनसे जुडे कई देशों के प्रतिनिधि आएंगे। उनके साथ मीडिया व अन्य कई लोग आएंगे। उनके यहां आने से भी उदयपुर का ट्यूरिज्म बढ़ेगा। वहीं रात में उदयपुर की झीलों का सौंदर्य देखते ही बनता है। सिटी पैलेस की लाइटिंग और उसकी भव्यता और बढ जाती है। सुखाड़िया सर्कल और अन्य पर्यटक स्थलों के लिए रात्रि बस सेवा शुरू की जाएगी।

पर्यटन विभाग की उप निदेशक शिखा सक्सेना के अनुसार इस बारें में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक हो चुकी है। पर्यटन विभाग की ओर से उन्हें नाइट ट्यूरिज्म की जरूरतों के बारे में बताया गया हैं। महाराष्ट्र में नाइट ट्यूरिज्म काफी समय से चल रहा है। गुजरात भी पर्यटन को बढावा देने के लिए नई एक्टिविटीज करता रहता है, ऐसे में पर्यटकों को बुलाने के लिए हमें भी कुछ हटकर उनके सुविधा के लिए प्रयास करने होंगे। रात में पर्यटकों को खाना मिल सके इसके लिए नाइट फूड कोर्ट या दो बाजार खोले जाएंगे। रात्रि में रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन उतरने वाले पर्यटकों को खाना नसीब हो सके। इस जरूरत को भी पूरा किया जाएगा।

करौली में नदी में डूबने से बालक की मौत

■ एक अन्य डूब रहे बालक को मौजूद लोगों ने बचाया

करौली, (निसं)। करौली-कैला देवी मार्ग स्थित बरखेड़ा नदी में रविवार को नहाने गए एक बालक की डूबने से मौत हो गई। जबकि एक बालक को पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों की मदद से सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया। करौली सामान्य चिकित्सालय पुलिस चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि गश्त के दौरान बरखेड़ा नदी में बालकों के डूबने की सूचना मिली।

सूचना पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और आस-पास मौजूद लोगों की मदद से दोनों बालकों को नदी से बाहर निकाला। लोगों ने बालकों के पेट में से पानी निकालने का प्रयास किया। लोगों के प्रयासों से मनीष की जान बच गई। पुलिस दोनों बालकों को लेकर करौली चिकित्सालय पहुंची। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद योगेंद्र पुत्र भगवान सिंह 11 निवासी नकटीपुरा को मृत घोषित कर दिया। जबकि मनीष पुत्र प्रह्लाद 14 निवासी नकटीपुरा को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक बालक का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। चौकी प्रभारी ने बताया की मनीष और योगेंद्र बरखेड़ा नदी में नहाने गए थे। इस दौरान गहरे पानी में जाने से डूबने लगे। बालकों की चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास लोगों की भीड़ लग गई और पुलिस को सूचना दी।

फर्जी अंकतालिका बनाने वाले गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

■ विभिन्न विश्वविद्यालयों की अंकतालिकाएं, नकदी एवं उपकरण जब्त किए

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित फ्लेट में रहते हुए देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों की अंकतालिकाओं सहित अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह के आरोपी व महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अंकतालिकाएं, उपकरण एवं नकदी जब्त की।

जानकारी के अनुसार मिकाड़ों स्कूल के पास शौभगपुरा स्थित लेकसिटी अपार्टमेंट फ्लेट नं. 411 में रहने वाले व्यक्ति एवं महिला साथी द्वारा देश के विभिन्न राज्यों की शिक्षण संस्थाओं के कूटरचित दस्तावेज बनाने की सूचना मिली। इस पर भुपालपुरा थानधिकारी हनवंतसिंह सोढा के नेतृत्व में किशनसिंह मय टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल सुखेर पुलिस थाना क्षेत्र में होने से एएसआई सरदारसिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जहां फ्लेट के चौथे माले पर पहुंच कर किवाड़ खुलवाया तो उसमें रहने वाले व्यक्ति एवं युवती द्वारा कूटरचित दस्तावेज बनाने की पुष्टि होने पर मौके पर मौजूद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बांसवाडा निवासी प्रेमसिंह राठौड पुत्र जगदीशसिंह तथा पश्चिमपुरी थाना पंजाबी बाग नई दिल्ली निवासी किरण गौतम पुत्री नेमचीद से पूछताछ कर तलाशी ली तो मौके पर यूपी, एमपी, देहरादून, छत्तीसगढ़, तमिलनाडू, सहित देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षण संस्थओं की अंकतालिका सहित विभिन्न कूटरचित दस्तावेज पाए गए। इस पर पुलिस ने मौके से दस्तावेज के अलावा चमकीले स्टीकर, फोटो कॉपी मशीन, प्रिंटिंग मशीन, पेपर कटिंग मशीन, बाइण्डिंग मशीन, 88 स्टाम्प से भरा बक्सा, 2 लाख 76 हजार रुपये नकदी, 43 मोबाइल बरामद किए। पूछताद में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर दोनों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया।

सामूहिक उपवास रख मां शाकंभरी से लगाई जिला बनाने की अरदास

सोमवार को जिला बनाने की मुहिम के तहत लोगों ने उपवास रख मां शाकंभरी से अरदास लगाई।

■ सांभर को जिला बनाने की चल रही मुहिम चरम पर

सांभरझील, (निसं)। जिला संघर्ष समिति के संयोजक व युवा नेता विवेक उर्फ विक्की शर्मा के नेतृत्व में सांभर को जिला बनाने की चल रही मुहिम अब चरम पर पहुंच रही है।

इसके लिए सांभर, फुलेरा, नरेना सहित आसपास की ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि नया बस स्टैंड पर रविवार को एकत्रित हुए। सभा में नगर के अनेक दुकानदारों व व्यापारियों ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर अनेक मां शाकंभरी की तस्वीर लगाई गई तथा पूजा अर्चना कर सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए सामूहिक अरदास भी की गई। सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाने के लिए एक दिन के सामूहिक उपवास में जनप्रतिनिधियों ने अपनी भागीदारी निभाई।

विधायक निर्मल कुमावत, कांग्रेस से विधायक प्रत्याशी रहे विद्याधर सिंह चौधरी, निर्दलीय विधायक प्रत्याशी रहे दीनदयाल कुमावत सहित के अलावा अनेक जनप्रतिनिधियों व मूहिम में शामिल कुछ वक्ताओं ने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपना उद्बोधन दिया तथा इस विषय पर अपने अपने विचार भी प्रकट किये। सांभर को जिला बनाने के लिए पूर्व में की गई सामूहिक उपवास की घोषणा को सफल बनाने के लिए सभी का हृदय तल से आभार प्रकट किया। इससे पहले बाकायदा घर घर जाकर लोगों को पीले चावल देकर आदर सहित आमंत्रित किया गया। बाइक व चौपहिया वाहनों पर सांभर को जिला बनाने के स्टीकर चस्पा किए गए। सांभर के नया बस स्टैंड पर रविवार को सांभर, फुलेरा नारायणा व आसपास की ग्राम पंचायतों के काफी संख्या में जनप्रतिनिधि एकत्रित हुए।

जनहित संघर्ष समिति के संयोजक विवेक शर्मा की टीम में जुड़े सभी जनप्रतिनिधियों व आम नागरिकों की ओर से प्रबल समर्थन मिलने के बाद अब क्षेत्र के लोगों में जोश दोगुना हो गया है। बता दें कि मुहिम के प्रथम चरण में जिला कमेटी के अध्यक्ष रामलुभाया को पूर्व में शिष्टमंडल की ओर से एक अभ्यावेदन भी प्रस्तुत कर सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए पक्ष रखा था।

दो मंजिला मकान हुआ धराशायी

जुरहरा, (निसं)। कस्बे में कई दिनों तक लगातार हुई बरसात के चलते शनिवार की रात्रि करीब 9 बजे कस्बे के पहाड़ी रोड पर सैनी मौहल्ले के पास स्थित एक दो मंजिला मकान उसकी नींव में बरसात का पानी चले जाने से अचानक गिर गया। गनीमत यह रही कि मकान में उस वक्त कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। कस्बे के पहाड़ी रोड पर सैनी मौहल्ले के निकट कस्बा निवासी भंवर सिंह गुर्जर के मकान की नींव में पानी चले जाने से भरभरा कर गिर गया जिससे पीड़ित को काफी आर्थिक हानि उठानी पड़ी है। वहीं हादसे के वक्त मकान में किसी सदस्य के मौजूद नहीं होने से किसी भी प्रकार की कोई जनहानि होने से बच गई। अन्यथा हादसा बड़ा भी हो सकता था। पीड़ित भंवर सिंह गुर्जर ने बताया कि उनके घर के पास एक प्लॉट खाली प्लॉट पड़ा हुआ है जिसमें कई दिनों से बरसात व नालियों का पानी जा रहा था जो मकान की नींव में समा रहा था।

किसानों ने मुआवजे की मांग की

खेत में बारिश से खराब हुई फसल को दिखाते किसान।

हिण्डौन सिटी, (निसं)। गत 3 दिन से क्षेत्र में हुई लगातार बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। फसल में हुए नुकसान से आहत किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

खेड़ा जमालपुर क्षेत्र के किसान राकेश शुक्ला, श्याम बिहारी, सीताराम , हेतराम, देवेंद्र शुक्ला आदि का कहना है कि इस समय पूरे क्षेत्र में बाजरे की फसल लगभग कट चुकी है। जिसमें बाजरा ही नहीं बल्कि पशुओं के लिए चारे के रूप में काम में आने वाली कड़वी में भी सड़न पैदा हो गई है। खेत में पड़ी बाजरे की बालियों में दाने फिर से अंकुरित हो गए हैं। किसानों की फसल में 100 फीसदी नुकसान हो चुका है। उपखंड क्षेत्र के गांव खेड़ा, जमालपुर, फैली का पूरा , रिठौली, कंचरौली, फुलवाड़ा, महू, करई, क्यारदा, तिवारा आदि गांवो में हजारों बीघा की बाजरे की फसल नष्ट हो चुकी है। किसानों का कहना है कि सरकार किसानों को हुए इस भारी नुकसान से पूरी तरह बेपरवाह है। अगर सरकार की ओर से इस नुकसान के मुआवजे की करवाई शुरू नही की गई तो आगामी मंगलवार को किसान की ओर से उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन शुरू किया जावेगा।

लंपी बीमारी से मरी गायों को खुले में फेंका जा रहा

नीमकाथाना मंढोली नाका के पास नगर पालिका कचरा क्षेत्र में मरे हुए गाय व गोवंश को पालिका के ट्रैक्टर की सहायता से कचरे के ढेर में डाला जा रहा है।

पाटन, (निसं) । नगरपालिका क्षेत्र में स्थित गोपाल गोशाला की गायों में लंपी रोग आया था जिस कारण पहले भी लगभग 20 गायों की मौतें हो गई थी और आज भी एक गाय व बछड़ा की लंपी रोग के कारण मर गई। उन मृत गायें एवं गाय के गोवंशों को नगरपालिका द्वारा अपने ट्रैक्टर में डालकर कचरे के ढेर में डलवाया था रहा है जो नियम विरुद्ध है।

मृत गायों की हकीकत जानने के लिए संवाददाता जब गौशाला पहुंचे तो गौशाला में कार्य करने वाले लोगों ने कहा कि पूर्व में भी गायों की मौत हो गई थी जिनको बाहर ही डलवाया गया है। जबकि सनातन धर्म में मृत गायों को गड्ढा खोदकर उसमें दफनाया जाता है जिससे रोग के कीटाणु अन्य पशुओं में नहीं पहुंच सके। हालांकि इस बारे में गोपाल गौशाला अध्यक्ष ने साफ मना कर दिया कि गौशाला में कोई भी गाय नहीं मरी है तो फिर आज रविवार को कूड़े के ढेर में मृत गाय एवं बछड़ा कहां से आया है ? गत एक माह से नीमकाथाना में लंपी गायों के चंगुल में फंसी गायों को बचाने की एक मुहिम चली हुई है ताकि रोग ग्रस्त गायों को बचाया जा सके, उसके बावजूद भी नीमकाथाना में भामाशाहों द्वारा मदद करना तो दूर अपितु मृत गायों को खुले में डालकर लोगों को बदबू की पीड़ा और देने में लगे हैं।

महिला ने आत्महत्या की

सुजानगढ़, (निसं)। वार्ड नम्बर 46 में स्थित भानी धोरा मोहल्ले में एक विवाहिता ने फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस आशय की रिपोर्ट पुलिस को मृतका के पिता केशाराम मेघवाल निवासी गांव मलसीसर ने देकर बताया कि मेरी लड़की किरण की शादी करीब 21 साल पहले मघाराम मेघवाल निवासी, भोनाधोरा के पास सुजानगढ़ के साथ हुई थी। प्रार्थी का कहना है कि 25 सितम्बर को मेरे दोहिते सागर का मेरे पास फोन आया कि मेरी मां किरण ने मेरे पिताजी मघाराम से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है।

प्रार्थी का कहना है कि इस पर मैं किरण के घर आया, तो पाया कि किरण की लाश को चारपाई पर लेटा रखा था। प्रार्थी ने पुलिस से मांग की है कि आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जावे। वहीं थानाप्रभारी जगदीश सिंह ने बताया कि 40 वर्षीय विवाहिता किरण ने साड़ी से हुक पर फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद मृतका के शव को पुलिस ने बगड़िया अस्पताल पहुंचाया। जहां से पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ठूंस-ठूंस कर गौवंश से भरी गाड़ी पकड़ी, तस्कर फरार हुए

नारायणपुर पुलिस व गौरक्षक दल की गोतस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

गोतस्करी में बरामद की गई मिनी टाटा 407 गाड़ी।

नारायणपुर, (निसं)। नारायणपुर पुलिस व गौरक्षक दल ने शनिवार देर रात्रि को गौतस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव अजबपुरा के पास गौकशी के लिए ले जाते गौवंश से भरी मिनी टाटा 407 गाड़ी को पकड़ा जिसमें 10 गोवंशों के मुंह और पैर रस्से से बांधकर गाड़ी में ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे। जीवित 10 गौवंशों को गौ सेवा समिति मुण्डावरा में भेज दिया गया।

गौ रक्षक देशराज सैनी ने बताया कि सूचना मिली की गढ़बसई से नारायणपुर की ओर गौवंश से भरी एक मिनी टाटा 407 आ रही है। इसके बाद पुलिस व गौरक्षक टीम ने गौतस्कर का पीछा किया तो पुलिस को देखकर गो तस्कर करीब 100 मीटर पहले ही मिनी टाटा 407 को छोड़कर भाग गये। पुलिस ने तस्करों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन अंधेरा का फायदा उठाते हुए गो तस्कर हाथ नहीं आए। पुलिस ने मिनी टाटा 407 गाड़ी को जब्त कर अज्ञात लोगों के खिलाफ गो तस्करी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मौके पर गौरक्षक सुभाष यादव, रामवीर सिंह शेखावत, साहिल राठी, महेंद्र गुर्जर आदि लोग मौजूद थे।